

आकारवान पुं. (तत्.) सुगठित, सुंदर, सौम्य शरीर वाला।

आकारहीन पुं. (तत्.) [आकार+हीन] जिस का कोई आकार न हो, निराकार।

आकारांत वि. (तत्.) वह शब्द जिस के अंत में 'आ' स्वर हो जैसे- चिंता।

आकारिकी स्त्री. (तत्.) 'आकार' के अध्ययन से संबंधित शास्त्र अथवा रूप रचना विज्ञान पर्या. आकृतिविज्ञान।

आकारित वि. (तत्.) आकार दिया हुआ, रूपायित।

आकारी वि. (तत्.) आकार युक्त, आकृति वाला।

आकाल क्रि.वि. (तत्.) उपयुक्त समय तक, पूरे समय तक।

आकालिक वि. (तत्.) समय से ठीक पूर्व या ठीक बाद में होने वाला।

आकाश पुं. (तत्.) आसमान, धरती के चारों ओर ऊँचा फैला हुआ नीला दिखाई देने वाला शून्य स्थान। पर्या. अंतरिक्ष, अंबर, आसमान, खगोल, गगन, गगनमंडल, नभ, नभमंडल, नभोमंडल, व्योम, शून्य मुहा. आकाश खुलना- आसमान साफ होना, बादल हट जाना; आकाश चूमना या छूना- बहुत ऊँचा होना, बहुत लंबा होना, बहुत लंबी-चौड़ी बातें करना; आकाश-पाताल का अंतर- अत्यधिक भिन्नता; आकाश-पाताल एक करना- प्रबल प्रयास करना, पूरी शक्ति से कार्य करना; आकाश बाँधना- असंभव बात करना; अनहोनी बात करना; आकाश से बातें करना- बढ़-चढ़ कर बात करना, बहुत ऊँचा होना।

आकाश कुसुम पुं. (तत्.) असंभव वस्तु।

आकाशगंगा स्त्री. (तत्.) अंत.वि. परस्पर गुस्त्वकर्षण से जुड़े करोड़ों अरबों (असंख्य) तारों का मार्गाकार समूह जो रात्रि में उत्तरदक्षिण दिशा में फैला हुआ दिखलाई पड़ता है galaxy हमारा सौरमंडल 'मिल्की वे' (आकाश गंगा) का ही एक छोटा हिस्सा है, वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार ऐसे कई सौरमंडलों (तारामंडलों) का

समूह ही आकाश गंगा है दे. ब्रह्मांड, ब्रह्मांड में ऐसी कई आकाश गंगाएँ हैं।

आकाशग वि. (तत्.) दे. आकाशचारी पुं. (तत्.) पक्षी।

आकाशगा स्त्री. (तत्.) आकाश में गमन करने वाली, आकाशगंगा।

आकाशचारी वि. (तत्.) आकाश में विचरण करने वाला, आकाशगामी पुं. (तत्.) सूर्यादि नक्षत्र, वायु, पक्षी, देवता, राक्षस।

आकाशजल पुं. (तत्.) 1. आकाश से बरसने वाला जल, मेघ का जल 2. ओंस, तुषार।

आकाशदीप पुं. (तत्.) बाँस के ऊँचे सिरे पर बाँध कर जलाया गया दिया या लालटेन।

आकाश-धारणा स्त्री. (तत्.) योग. पंच स्थूल भूतों की धारणाओं में से एक जिसमें श्वास को आकाश में ही आते-जाते देखना होता है।

आकाश ध्रुव पुं. (तत्.) आकाश का ध्रुव तारा लोक व्यवहार में ध्रुव को नक्षत्र माना जाता है।

आकाशनिद्रा स्त्री. (तत्.) खुले आसमान के तले सोना।

आकाश पथिक पुं. (तत्.) सूर्य, चंद्र, नक्षत्र आदि।

आकाश पुष्प पुं. (तत्.) आकाशकुसुम, आकाश का फूल; असंभव बात, अप्राप्य वस्तु।

आकाश बेल स्त्री. (तत्.) अमरबेल जड़ और फल-फूल पत्तीरहित एक हरी या पीली लता जो वृक्ष पर परजीवी की तरह उगती-बढ़ती है।

आकाशभाषित पुं. (तत्.) नाट्य. आकाश की ओर देखकर बोला गया शब्द या वाक्य, नाटक आदि में किसी पात्र का आकाश की ओर देखकर कुछ कहना, कोई प्रश्न करना और फिर उसका उत्तर देना।

आकाश भेदी वि. (तत्.) [आकाश+भेद] 1. बहुत ऊँची ध्वनि, आकाश को चीरने वाली ध्वनि 2. बहुत ऊँचा भवन।